मेरा बिल मेरा अधिकार योजना

संदर्भ: सरकार ने 1 सितंबर, 2023 से **"मेरा बिल मेरा अधिकार"** प्रोत्साहन योजना शुरू करने की घोषणा की है।

- भारत सरकार द्वारा राज्य के सहयोग से "मेरा बिल मेरा अधिकार" की शुरुआत की गई है।
- इस पहल का उद्देश्य ग्राहक द्वारा प्रत्येक दुकानदार से प्रत्येक खरीदी गई वस्तु के लिए बिल मांगने की संस्कृति को बढ़ावा देना है।
- इस सांस्कृतिक बदलाव के लिए 'मेरा बिल मेरा अधिकार' के नाम से एक "चालान प्रोत्साहन योजना" शुरू की जा रही है।
- योजना का प्राथमिक लक्ष्य आम जनता सांस्कृतिक और व्यवहारिक बदलाव लाना है,जिससे वो खरीददारी के समय बिल मांगा करें ।

योजना की विशेषताएं/विवरण

- यह योजना 1 सितंबर 2023 से शुरू होगी।
- शुरुआत में, योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में असम, गुजरात और हरियाणा राज्यों और पुडुचेरी, दादरा नगर हवेली तथा दमन और दीव में लॉन्च किया जाएगा।
- योजना के लिए पात्रता, उल्लिखित क्षेत्रों में जीएसटी-पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं द्वारा जारी किए गए सभी बी2सी चालानों पर लागू होती है, जिसमें लकी ड्रा पर विचार के लिए न्यूनतम चालान मूल्य 200 रुपये है।
- चालान आईओएस और एंड्रॉइड पर उपलब्ध "मेरा बिल मेरा अधिकार" मोबाइल एप्लिकेशन के साथ-साथ वेब पोर्टल "web.merabill.gst.gov.in" के माध्यम से जमा किया जा सकता है।
- सभी भारतीय निवासी भाग लेने के पात्र हैं, चाहे उनका राज्य/केंद्र शासित प्रदेश कोई भी हो। लकी ड्रा में प्रवेश के लिए व्यक्ति ऐप/वेब पोर्टल के माध्यम से प्रति माह अधिकतम 25 चालान अपलोड कर सकते हैं।
- चालान जमा करने पर, पुरस्कार ड्रा के लिए एक पावती संदर्भ संख्या (एआरएन) उत्पन्न की जाएगी।
- पुरस्कारों के लिए रैंडम ड्रा मासिक और त्रैमासिक, नियमित अंतराल पर होंगे।
- मासिक ड्रा में रुपये के 800 पुरस्कार होंगे। जिसमें प्रत्येक 10,000 रुपये और 10,00,000 रुपये के 10 पुरस्कार शामिल होंगे।
- अगले महीने की 5 तारीख तक अपलोड किए गए चालान मासिक ड्रा के लिए पात्र होंगे, और त्रैमासिक ड्रा में पिछले 3 महीनों में अपलोड किए गए चालान शामिल होंगे।
- चालान अपलोड के दौरान, प्रतिभागियों को आपूर्तिकर्ता का जीएसटीआईएन, चालान संख्या, चालान तिथि, चालान मूल्य और ग्राहक का राज्य/केंद्र शासित प्रदेश प्रदान करना होगा।
- निष्क्रिय या नकली जीएसटीआईएन वाले डुप्लिकेट अपलोड और चालान अस्वीकार कर दिए जाएंगे।
- विजेताओं को पुरस्कार हस्तांतरण के लिए 30 दिनों के भीतर पैन नंबर, आधार कार्ड और बैंक खाता विवरण जैसी अतिरिक्त जानकारी प्रदान करनी होगी।
- यह पायलट योजना 12 महीने तक चलेगी।

बिल में छूट

इनवॉइस डिस्काउंटिंग एक वित्तीय प्रथा है जहां कोई व्यवसाय अपने अवैतनिक चालान को तत्काल रियायती भुगतान के लिए तीसरे पक्ष को बेचता है। इससे व्यवसायों को तेजी से धन तक पहुंचने में मदद मिलती है और नकदी प्रवाह में सुधार होता है। जब ग्राहक भुगतान करते हैं तो तीसरा पक्ष उनसे पूरी चालान राशि एकत्र करता है, शुल्क काटता है और शेष राशि व्यवसाय को भेज देता है।

रक्षा अधिग्रहण परिषद

संदर्भ: रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में, रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने लगभग 7,800 करोड़ रुपये के पूंजी अधिग्रहण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की ।

- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) से प्राप्त हेलीकॉप्टरों की परिचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टरों पर इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सुइट के लिए स्वीकृति (एओएन) प्रदान की गई।
- मशीनीकृत पैदल सेना और बख्तरबंद रेजिमेंटों के लिए ग्राउंड-आधारित स्वायत्त प्रणाली को मंजूरी दी गई।यह मानवरहित निगरानी, रसद वितरण और हताहत निकासी का समर्थन करता है।
- बेहतर पैदल सेना क्षमताओं और मशीनीकृत बलों की गतिशीलता के लिए 7.62x51 मिमी लाइट मशीन गन (एलएमजी) और ब्रिज लेइंग टैंक (बीएलटी) की खरीद कोस्वीकृति प्रदान की गई।
- भारतीय सेना के लिए **प्रोजेक्ट शक्ति** के तहत शक्तिशाली लैपटॉप और टैबलेट के लिए एओएन प्रदान किया गया, जो विशेष रूप से स्वदेशी विक्रेताओं से प्राप्त किया गया था।

रक्षा अधिग्रहण परिषद

- **डीएसी की भूमिका:** डीएसी खरीद मामलों के लिए रक्षा मंत्रालय का सर्वोच्च निर्णय लेने वाला निकाय है।
- **उद्देश्य**: इसका प्राथमिक लक्ष्य अनुमोदित सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं के कुशल और त्वरित अधिग्रहण को सुनिश्चित करना है।
- **गठन:** कारगिल युद्ध (1999) के बाद मंत्रियों के समूह की सिफारिशों के बाद 2001 में स्थापित किया गया।
- **संघटन:**
  - **अध्यक्ष:** रक्षा मंत्री
  - इसमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और थल सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख जैसे सदस्य शामिल हैं।
- **कार्य:**
  - यह रक्षा बलों के लिए 15-वर्षीय दीर्घकालिक एकीकृत परिप्रेक्ष्य योजना (एलटीआईपीपी) के लिए प्रारंभिक अनुमोदन प्रदान करता है।
  - यह अधिग्रहण प्रस्तावों की स्वीकृति प्रदान करता है।
  - यह अधिग्रहण प्रस्तावों को **'खरीदें,' 'खरीदें और बनाएं,' और 'बनाएं'** के रूप में वर्गीकृत करता है।
  - यह एकल विक्रेता मंजूरी से संबंधित मुद्दों का समाधान करता है।
  - यह 300 करोड़ रुपये से अधिक के अधिग्रहण प्रस्तावों के लिए **'ऑफ़सेट'** प्रावधानों के संबंध में निर्णय लेता है।
  - यह 'खरीदें और बनाएं' श्रेणी के अंतर्गत प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से संबंधित निर्णयों लेता है।
  - यह फ़ील्ड परीक्षण मूल्यांकन की देखरेख करता है।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

25 August, 2023

सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची

- सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची की अवधारणा का अर्थ है कि भारतीय सशस्त्र बल (सेना, नौसेना और वायु सेना) विशिष्ट वस्तुओं को विशेष रूप से घरेलू निर्माताओं से प्राप्त करेंगे।
- ये निर्माता निजी क्षेत्र या रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (डीपीएसयू) से हो सकते हैं।
- मई 2023 में जारी चौथी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची दिसंबर 2021, मार्च 2022 और अगस्त 2022 में जारी पिछली तीन सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची पर आधारित है।
- सूचियों में कुल मिलाकर 2500 आइटम हैं
- अब तक कुल 310 वस्तुओं का सफलतापूर्वक स्वदेशीकरण किया जा चुका है:
  - पहली सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में 262 वस्तुएं।
  - दूसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में 11 वस्तुएं।
  - तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में 37 वस्तुएं।
- यह पहल भारत की 'आत्मनिर्भरता' की दृष्टि के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करना, निवेश को प्रोत्साहित करना और आयात निर्भरता को कम करना है।

जेनेरिक औषधियाँ

संदर्भ: एनएमसी ने अपने उन नियमों को निलंबित कर दिया है जिनके तहत डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने की आवश्यकता होती है और उन्हें किसी भी विशिष्ट दवा ब्रांड का समर्थन करने से प्रतिबंधित करता था।

- 2 अगस्त को प्रकाशित "पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर (व्यावसायिक आचरण) विनियम, 2023" नामक विनियम।
- आईएमए और आईपीए ने गुणवत्ता संबंधी अनिश्चितताओं के कारण जेनेरिक दवा के नुस्खे को अनिवार्य बनाने पर चिंता जताई।
- उन्होंने डॉक्टरों को फार्मा-प्रायोजित सम्मेलनों में भाग लेने और एसोसिएशनों को एनएमसी दिशानिर्देशों से छूट देने का सुझाव दिया।
- एनएमसी ने "भारतीय चिकित्सा परिषद (व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002" को अपनाते और लागू करते हुए, 2023 नियमों को तुरंत निलंबित कर दिया।
- कदाचार में अब पेशेवर अभ्यास को प्रभावित करने वाले शराब या नशीले पदार्थों का उपयोग भी शामिल है।

जेनेरिक औषधियाँ

- एक जेनेरिक दवा में ब्रांड नाम वाली दवा के समान ही सक्रिय घटक होता है, जो समान चिकित्सीय प्रभाव प्रदान करता है।
- यह खुराक, सुरक्षा, ताकत, गुणवत्ता, प्रशासन और उपयोग में ब्रांड-नाम वाली दवा से मेल खाता है।
- ये समानताएं जैव-समतुल्यता को प्रदर्शित करती हैं, जो दर्शाती हैं कि एक जेनेरिक दवा काम करती है और ब्रांड-नाम संस्करण के समान नैदानिक लाभ प्रदान करती है।
- जेनेरिक दवाओं के जोखिम और लाभ उनके ब्रांड-नाम समकक्षों के बराबर होते हैं।
- जेनेरिक दवाओं में ब्रांड-नाम उत्पाद के समान निष्क्रिय सामग्री शामिल करने की आवश्यकता नहीं है।
- एक जेनेरिक दवा केवल तभी बेची जा सकती है जब ब्रांड नाम वाली दवा का पेटेंट समाप्त हो जाए।
- जेनेरिक दवाएं आम तौर पर ब्रांड-नाम वाली दवाओं की तुलना में कहीं अधिक सस्ती होती हैं।

Biosimilars	Generics
Generally made from living sources	Generally made from chemicals
Require a specialized process to produce	Have a simpler process to copy
Very similar, but not identical, to original biologics	Copy of brand-name drugs
Faster development process using public information from original biologic approval	Faster development process using public information from brand-name drug approval
Usually less expensive than original biologics	Usually less expensive than brand-name drugs

SOURCE: FDA.gov

- जेनेरिक, ब्रांडेड दवाओं का लागत प्रभावी विकल्प होने के नाते, बाजार पर हावी है, जिसमें खुदरा बिक्री का 70 से 80% हिस्सा शामिल है।
- भारत की बढ़ती आबादी, विशेषकर बुजुर्गों ने, ब्रांडेड दवाओं के बराबर, उनकी सामर्थ्य और प्रभावशीलता के कारण जेनेरिक दवाओं की मांग को बढ़ा दिया है।
- एक अध्ययन से पता चलता है कि वैश्विक जेनेरिक दवाओं का बाजार 2020 में 390.57 बिलियन अमेरिकी डॉलर का था, और 2030 तक इसके लगभग 574.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।
- इस वृद्धि से 2021 से 2030 तक 5.59% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) प्राप्त करने का अनुमान है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

LCA - MK - 1 A

LCA - MK - 1 A क्या है?

- LCA-MK1A (लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट मार्क 1A) एक प्रकार का लड़ाकू विमान है जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) द्वारा भारतीय वायु सेना (IAF) के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है।

उन्नत संस्करण:

- LCA-MK1A मूल LCA-MK1 का उन्नत संस्करण है।
- यह अपने पूर्ववर्ती की तुलना में उन्नत युद्ध क्षमताएं और सुविधाएँ प्रदान करता है।

विशेषताएं और क्षमताएं:

- आधुनिक एवियोनिक्स, रडार सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर यंत्रों से सुसज्जित।
- हवाई श्रेष्ठता, जमीनी हमले, टोही और बहुत कुछ सहित कई लड़ाकू भूमिकाओं के लिए डिज़ाइन किया गया।
- बेहतर परिचालन प्रभावशीलता के लिए बेहतर रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और हथियार एकीकरण की क्षमता।

अनुबंध और खरीद:

- वर्ष 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने IAF के लिए 83 LCA-MK1A विमानों की खरीद के लिए HAL के साथ ₹48,000 करोड़ के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।
- अनुबंध का उद्देश्य तकनीकी रूप से उन्नत विमानों के साथ भारतीय वायुसेना के बेड़े को मजबूत करना है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

	वितरण कार्यक्रम: ➢ अनुबंध में फरवरी 2024 तक 3 LCA-MK1A विमानों की डिलीवरी करना शामिल है। ➢ इसके बाद अगले पांच वर्षों के लिए प्रति वर्ष 16 विमानों की डिलीवरी की जाएगी।
प्रज्ञान (Pragyan) 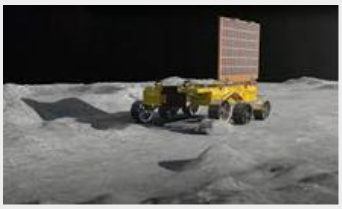	प्रज्ञान चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर का रोवर है, जिसे चंद्रमा की सतह का पता लगाने और डेटा एकत्र करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ➢ प्रज्ञान सामने की तरफ दो नेविगेशन कैमरे, NAVCA M-लेफ्ट और NAVCAM-राइट से लैस है। ➢ ये कैमरे रोवर को नेविगेट करने, बाधाओं से बचने और उसके पथ की योजना बनाने में मदद करते हैं। ➢ NAVCAMs एक 3D दृश्य बनाते हैं, जो चट्टानों, गड्ढों और उबड़-खाबड़ इलाकों से बचने में प्रज्ञान की सहायता करते हैं। ➢ प्रज्ञान प्रभावी एवं सुरक्षित संचलन और डेटा संग्रह के लिए NAVCAMs की कार्यप्रणाली पर निर्भर करता है। ➢ NAVCAM तकनीक की उत्पत्ति चंद्रयान-2 में हुई, जो पिछले मिशनों से मिली सीख को प्रदर्शित करती है। ➢ NAVCAM-सहायता प्राप्त गतिशीलता प्रज्ञान को विभिन्न चंद्र इलाकों का पता लगाने और प्रयोग करने की अनुमति देती है। ➢ NAVCAMs की सफलता इसरो वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की विशेषज्ञता और समर्पण को उजागर करती है। ➢ चंद्रयान-2 के अनुभवों ने प्रज्ञान और चंद्रयान-3 के लिए बेहतर नेविगेशन तकनीक को प्रभावित किया। ➢ प्रज्ञान चंद्र अन्वेषण और तकनीकी उन्नति के प्रति भारत की चल रही प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। ➢ NAVCAMs से एकत्र किया गया डेटा चंद्रमा के भू-विज्ञान और इतिहास के बारे में हमारे ज्ञान को बढ़ा सकता है।
मालचा (Malcha) महल 	**मालचा महल के बारे में:** ➢ यह एक ऐतिहासिक शिकार लॉज है जिसे 14वीं शताब्दी में तुगलक काल के दौरान बनाया गया था। ➢ यह नई दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके में स्थित है। ➢ इसे अवध की बेगम विलायत महल के नाम पर विलायत महल के नाम से जाना जाता है, जो अपने परिवार के साथ वहां रहती थीं। **फ़िरोज़ शाह तुगलक:** ➢ तुगलक वंश के इस तीसरे शासक ने 1351 से 1388 ई. तक दिल्ली पर शासन किया। ➢ इसने बुनियादी ढांचे के विकास और शहर निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया। ➢ कुतुब मीनार की मरम्मत की, जौनपुर और फिरोजपुर जैसे शहरों की स्थापना की। ➢ प्रकृति में दयालु इस शासक, कठोर दंड समाप्त कर दिया या कर कम कर दिया और उलेमाओं से सलाह ली। ➢ ख़राज, ज़कात, खम, जज़िया और सिंचाई कर सहित विभिन्न करों की शुरुआत की। ➢ सशस्त्र बलों के लिए विरासत सिद्धांत का परिचय दिया गया। ➢ दीवान-ए-खैरात (दान) और दीवान-ए-बंदगान (दास विभाग) की स्थापना की। ➢ यात्रियों के लिए सराय (विश्राम गृह) स्थापित करें। ➢ शासन के लिए इक्तादारी ढाँचा अपनाया गया।
पेंच टाइगर रिजर्व 	हाल ही में, पेंच टाइगर रिजर्व ने साइकिल सफारी की शुरुआत की है, जो आगंतुकों को रिजर्व की प्राकृतिक सुंदरता का पता लगाने का एक अनूठा तरीका प्रदान करती है। **अवस्थिति:** ➢ यह सतपुड़ा पहाड़ियों के दक्षिणी छोर पर स्थित है। ➢ यह मध्य प्रदेश में सिवनी और छिंदवाड़ा जिलों तक और महाराष्ट्र में नागपुर जिले तक विस्तृत है। ➢ इसका नाम पेंच नदी के नाम पर रखा गया है, जो रिज़र्व के मध्य उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है। **रिजर्व के घटक**: ➢ इसमें इंदिरा प्रियदर्शिनी पेंच राष्ट्रीय उद्यान, पेंच मोगली अभयारण्य और एक बफर जोन शामिल है। ➢ इस क्षेत्र ने रुडयार्ड किपलिंग की "द जंगल बुक" लेखन में एक अहम् भूमिका निभाई है। ➢ विविध वनस्पतियाँ: सागौन, साग, महुआ, घास और झाड़ियाँ सहित समृद्ध वनस्पतियाँ। **समृद्ध जीव-जंतु:** ➢ यह चीतल, सांभर, नीलगाय, गौर और जंगली सूअर का घर है। ➢ यहाँ शिकारी जानवर जैसे बाघ, तेंदुआ, जंगली कुत्ते और भेड़िये भी रहते हैं। मालाबार पाइड हॉर्नबिल, इंडियन पिट्टा और ऑस्प्रे सहित 325 से अधिक पक्षी प्रजातियां भी यहाँ पाई जाती है।
समाचारों में स्थान **ताइवान**	हाल ही में, ताइवान ने आगामी वर्ष में लड़ाकू विमानों सहित हथियार खरीद के लिए अतिरिक्त T$94.3 बिलियन ($2.97 बिलियन) आवंटित करने की अपनी योजना की घोषणा किया है। **ताइवान (राजधानी: ताइपे)** **भौगोलिक स्थिति:** ➢ ताइवान पूर्वी एशिया में स्थित है। उत्तर में पूर्वी चीन सागर, पूर्व में फिलीपीन सागर और दक्षिण में दक्षिण चीन सागर से घिरा है। **प्रमुख शहर:** काऊशुंग, ताइचुंग, ताइनान, न्यू ताइपे। **पड़ोसी देश:** ➢ उत्तर पश्चिम में चीन ➢ दक्षिण में फिलीपींस

	➢ उत्तर पूर्व में जापान **ताइवान की स्थिति:** ➢ ताइवान को आधिकारिक तौर पर चीन गणराज्य (आरओसी) के रूप में जाना जाता है। ➢ इसकी संप्रभुता को लेकर राजनीतिक और कूटनीतिक जटिलताएँ। **सुरक्षा चिंताएं:** ➢ चीन के दावों और सैन्य रुख को लेकर यहाँ लगातार चिंताएं बनी रहती हैं। ➢ ताइवान को अभी रक्षा वृद्धि और रणनीतिक साझेदारी पर ध्यान देना आवश्यक है।
समाचार में व्यक्तित्व **येवगेनी प्रिगोझिन**	**येवगेनी प्रिगोझिन (1 जून 1961-23 अगस्त 2023)** वैगनर ग्रुप के प्रमुख और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दोस्त से दुश्मन बने येवगेनी प्रिगोझिन की एक प्राइवेट जेट से हत्या कर दी गई। **पृष्ठभूमि और कारावास:** ➢ येवगेनी विक्टरोविच प्रिगोझिन एक रूसी कुलीन वर्ग और वैगनर निजी सैन्य कंपनी के नेता थे। ➢ येवगेनी प्रिगोझिन को कई डकैतियों में शामिल होने के कारण कारावास का सामना करना पड़ा। ➢ 1990 के दशक की शुरुआत में सोवियत संघ के विघटन के समय इनका उदय हुआ था। **व्यापार के कारोबार:** ➢ छोटे पैमाने पर हॉट डॉग विक्रेता के रूप में शुरुआत की और अंततः खानपान व्यवसाय में प्रवेश किया। ➢ अपनी खानपान सेवाओं के माध्यम से प्रसिद्धि प्राप्त की और शासक वर्ग के साथ संबंध स्थापित किए। **वैगनर समूह का गठन:** ➢ 2014 में वैगनर ग्रुप की स्थापना की। ➢ क्रीमिया में पुतिन की भागीदारी का समर्थन करने की पहल की गई, जिसने समूह की स्थापना को एक निजी सैन्य इकाई के रूप में चिह्नित किया।

POINTS TO PONDER

- **लैंडर मॉड्यूल पर कौन से पेलोड हैं**? - ILSA, RAMBHA और ChaSTE
- **किस कंपनी ने सोडियम-आयन बैटरी विकसित की**? -सोडियोन ऊर्जा
- **भारत आर्कटिक के साथ कब से जुड़ा हुआ है**? -1920 में स्वालबार्ड संधि पर हस्ताक्षर के बाद से
- **चेन्नई व्लादिवोस्तोक मैरीटाइम कॉरिडोर** (CVMC) **के माध्यम से रूस से भारत में कौन से कार्गो का आयात किया जा सकता है**? - कोकिंग कोयला, कच्चा तेल, एलएनजी और उर्वरक
- **प्रधान मंत्री हसीना ने अपनी विदेश नीति में किस नीतिगत दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला है**? -"मित्रता सबके साथ और द्वेष किसी से नहीं"